# समाज कार्य में स्नातक उपाधि

## (बीएसडब्ल्यू–द्वितीय वर्ष)

# सत्रीय कार्य : 2024–2025

### पाठ्यक्रम शीर्षक

**बीएसडब्ल्यूई-002 : व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप**

**बीएसडब्ल्यूई-004 : परिवार जीवन शिक्षा का परिचय**

| अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख: |
|---|
| जुलाई, 2024 सत्र–मार्च 31,2025 |
| जनवरी, 2025 सत्र–सितम्बर 30,2025 |

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बीएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के लिए आपको बीएसडब्ल्यूई 002,बीएसडब्ल्यूई 004 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

**(डॉ.सायन्तनी गुइन)**
कार्यक्रम संयोजक
**email:sayantaniguin@ignou.ac.in**
Ph: 011–29571697

# व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
# सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 002**
**कुल अंक–100**

**नोट :** i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में परिवार प्रणाली की अवधारणा और महत्व पर चर्चा करें। पारिवारिक परिस्थितियों में हस्तक्षेप के लिए समाज कार्य के उपयुक्त तरीकों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

शैक्षणिक परिस्थितियों में समाज कार्य के दायरे की व्याख्या करें। स्कूल समाज कार्य अभ्यास के विभिन्न मॉडलों का विस्तृत विवरण दें। 20

2) औद्योगिक परिस्थितियों में समाज कार्य से आप क्या समझते हैं? भारत में औद्योगिक परिस्थितियों में समाज कार्य के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएँ। 20

अथवा

भारत में सुधारात्मक परिस्थितियों में समाज कार्य का दायरा क्या है? सुधारात्मक परिस्थितियों के लिए उपयुक्त समाज कार्य के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) भारत में अभ्यास की एक पद्धति के रूप में सामाजिक वैयक्तिक कार्य के महत्व का वर्णन करें। 10

ख) व्यक्तित्व विकास पर समूहों के प्रभाव को स्पष्ट करें। 10

ग) उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सामाजिक समूह कार्यकर्ता द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर चर्चा करें। 10

घ) भारत में विवाह–पूर्व परामर्श की बढ़ती माँग के कारणों पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) ग्रामीण परिवेश में समाज कार्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 5

ख) स्वास्थ्य सेवा परिवेश में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 5

ग) शहरी समुदाय में उपलब्ध विभिन्न संस्थागत संरचनाएँ क्या हैं? 5

घ) भारत में उद्योग की सामाजिक जिम्मेदारी से आप क्या समझते हैं? 5

ङ) भारत में पुलिस विभागों और न्यायालयों में समाज कार्य के दायरे पर चर्चा कीजिए। 5

च) 'सामाजिक विकास' शब्द से आप क्या समझते हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) संकट हस्तक्षेप 4

ख) उदार दृष्टिकोण 4

ग) सीबोहम समिति 4

घ) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) 4

ङ) मानव विकास सूचकांक (HDI) 4

च) पूर्ण गरीबी 4

छ) वितरणात्मक न्याय 4

ज) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) 4

# परिवार जीवन शिक्षा का परिचय
# सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 004**
**कुल अंक–100**

**नोट :** i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परिवार और विवाह की सामाजिक संस्थाओं की व्याख्या करें। 20

अथवा

पारिवारिक जीवन शिक्षा से संबंधित पारंपरिक भारतीय मूल्यों की आलोचनात्मक चर्चा करें। 20

2) मानव विकास और वृद्धि के चरणों का वर्णन करें। 20

अथवा

विवाह के कार्यों और उद्देश्यों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) व्यक्तित्व विकास में मनोलैंगिक चरणों का वर्णन करें। 10

ख) पारिवारिक जीवन शिक्षा में परिवार और समुदाय की भूमिका की व्याख्या करें। 10

ग) बदलते समाज में युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें। 10

घ) विभिन्न धर्मों में विवाह की अवधारणा की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालें। 5

ख) फ्रायड के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांतों पर चर्चा करें। 5

ग) यौन स्वास्थ्य शिक्षा के घटकों का विस्तार से वर्णन करें। 5

घ) भावनाओं को मापने के तरीकों की जाँच करें। 5

ङ) आकर्षण और प्रेम में अंतर बताएँ। 5

च) परिवार के प्रकारों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) चिंता और भय 4

ख) बचपन 4

ग) जिज्ञासा 4

घ) समाजीकरण 4

ङ) संघर्ष प्रबंधन 4

च) बहुविवाह 4

छ) पारिवारिक सामंजस्य 4

ज) चिकित्सीय गर्भ समापन अधिनियम, 1971 (एमटीपी) 4